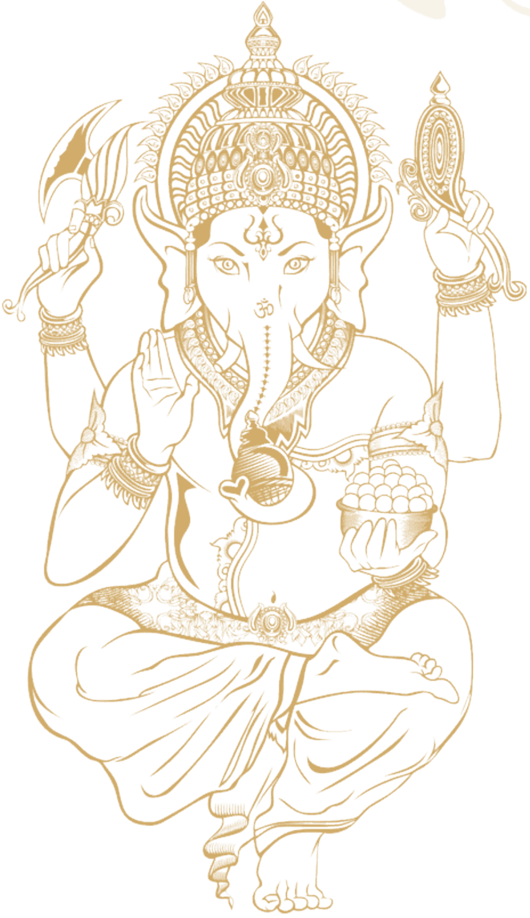

Ms. Srishti Verma

11 Nov 1994

12:45 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120001205

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/11/1994	जन्म तिथि	**11/11/2025**
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	11:34:07 घंटे
घटी 15:00:32	जन्म समय(घटी)	12:02:18 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:47	सूर्योदय	06:45:11
17:25:44	सूर्यास्त	17:25:27
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:09
मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	कर्क
शनि	राशि-स्वामी	चन्द्र
शतभिषा	नक्षत्र	पुष्य
राहु	नक्षत्र स्वामी	शनि
1	चरण	3
ध्रुव	योग	शुक्ल
कौलव	करण	बव
गो-गोपाल	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	मेष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मेष
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म – विवरण   वर्ष – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
श्रवण	3	19:19:25	मक			लग्न			धनु	29:04:48	1	उत्तराषाढ़ा
विशाखा	2	24:52:52	तुला			सूर्य			तुला	24:52:52	2	विशाखा
शतभिषा	1	07:22:44	कुंभ			चंद्र			कर्क	12:53:40	3	पुष्य
आश्लेषा	3	25:22:18	कर्क			मंगल		अ	वृश्चि	10:36:35	3	अनुराधा
स्वाति	1	07:15:15	तुला			बुध	व		वृश्चि	12:28:51	3	अनुराधा
विशाखा	4	00:00:16	वृश्चि		अ	गुरु			कर्क	00:55:59	4	पुनर्वसु
स्वाति	2	11:48:18	तुला	व		शुक्र			तुला	11:10:45	2	स्वाति
शतभिषा	2	11:53:39	कुंभ			शनि	व		मीन	01:11:29	4	पू०भाद्रपद
विशाखा	1	21:01:00	तुला			राहु	व		कुंभ	21:55:36	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	21:01:00	मेष			केतु	व		सिंह	21:55:36	3	पू०फाल्गुनी
उत्तराषाढ़ा	1	29:16:43	धनु			मु			सिंह	19:19:25	2	पू०फाल्गुनी

व – वक्री   स – स्थिर

अ – अस्त   पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न–चलित

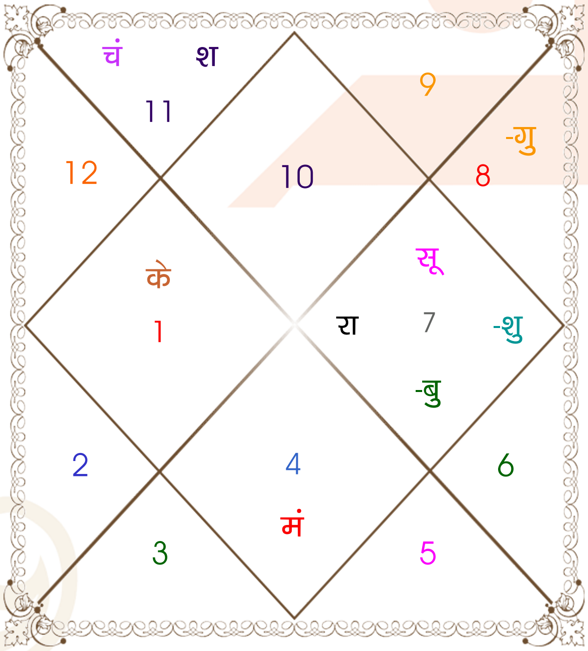

वर्ष लग्न कुंडली

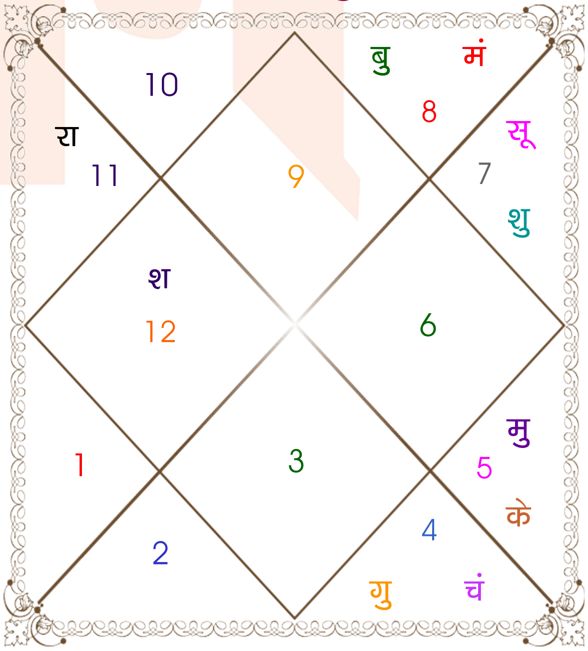

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - राहु - राहु
02/07/2025 06:30
10/11/2025 18:16

राहु	21/07/2025 23:52
गुरु	08/08/2025 12:38
शनि	29/08/2025 08:18
बुध	16/09/2025 23:22
केतु	24/09/2025 15:27
शुक्र	16/10/2025 13:25
सूर्य	23/10/2025 03:12
चंद्र	03/11/2025 02:11
मंगल	10/11/2025 18:16

गुरु - राहु - गुरु
10/11/2025 18:16
07/03/2026 15:23

गुरु	26/11/2025 08:17
शनि	14/12/2025 20:25
बुध	31/12/2025 09:49
केतु	07/01/2026 05:27
शुक्र	26/01/2026 16:58
सूर्य	01/02/2026 13:13
चंद्र	11/02/2026 06:59
मंगल	18/02/2026 02:37
राहु	07/03/2026 15:23

गुरु - राहु - शनि
07/03/2026 15:23
24/07/2026 10:28

शनि	29/03/2026 14:48
बुध	18/04/2026 06:43
केतु	26/04/2026 09:01
शुक्र	19/05/2026 12:12
सूर्य	26/05/2026 10:45
चंद्र	07/06/2026 00:21
मंगल	15/06/2026 02:40
राहु	05/07/2026 22:19
गुरु	24/07/2026 10:28

गुरु - राहु - बुध
24/07/2026 10:28
25/11/2026 14:54

बुध	11/08/2026 00:42
केतु	18/08/2026 06:33
शुक्र	07/09/2026 23:18
सूर्य	14/09/2026 04:19
चंद्र	24/09/2026 12:41
मंगल	01/10/2026 18:33
राहु	20/10/2026 09:37
गुरु	05/11/2026 23:00
शनि	25/11/2026 14:54

गुरु - राहु - केतु
25/11/2026 14:54
15/01/2027 18:09

केतु	28/11/2026 14:30
शुक्र	07/12/2026 03:02
सूर्य	09/12/2026 16:24
चंद्र	13/12/2026 22:40
मंगल	16/12/2026 22:15
राहु	24/12/2026 14:20
गुरु	31/12/2026 09:58
शनि	08/01/2027 12:17
बुध	15/01/2027 18:09

गुरु - राहु - शुक्र
15/01/2027 18:09
10/06/2027 20:33

शुक्र	09/02/2027 02:33
सूर्य	16/02/2027 09:52
चंद्र	28/02/2027 14:04
मंगल	09/03/2027 02:36
राहु	31/03/2027 00:34
गुरु	19/04/2027 12:05
शनि	12/05/2027 15:16
बुध	02/06/2027 08:00
केतु	10/06/2027 20:33

गुरु - राहु - सूर्य
10/06/2027 20:33
24/07/2027 16:28

सूर्य	13/06/2027 01:08
चंद्र	16/06/2027 16:48
मंगल	19/06/2027 06:10
राहु	25/06/2027 19:57
गुरु	01/07/2027 16:12
शनि	08/07/2027 14:46
बुध	14/07/2027 19:47
केतु	17/07/2027 09:09
शुक्र	24/07/2027 16:28

गुरु - राहु - चंद्र
24/07/2027 16:28
05/10/2027 17:40

चंद्र	30/07/2027 18:34
मंगल	04/08/2027 00:50
राहु	14/08/2027 23:49
गुरु	24/08/2027 17:34
शनि	05/09/2027 07:10
बुध	15/09/2027 15:32
केतु	19/09/2027 21:48
शुक्र	02/10/2027 02:00
सूर्य	05/10/2027 17:40

गुरु - राहु - मंगल
05/10/2027 17:40
25/11/2027 20:54

मंगल	08/10/2027 17:15
राहु	16/10/2027 09:20
गुरु	23/10/2027 04:58
शनि	31/10/2027 07:17
बुध	07/11/2027 13:09
केतु	10/11/2027 12:44
शुक्र	19/11/2027 01:16
सूर्य	21/11/2027 14:38
चंद्र	25/11/2027 20:54

शनि - शनि - शनि
25/11/2027 20:54
17/05/2028 20:19

शनि	23/12/2027 10:01
बुध	17/01/2028 01:32
केतु	27/01/2028 05:06
शुक्र	25/02/2028 05:00
सूर्य	04/03/2028 21:46
चंद्र	19/03/2028 09:43
मंगल	29/03/2028 13:17
राहु	24/04/2028 15:36
गुरु	17/05/2028 20:19

शनि - शनि - बुध
17/05/2028 20:19
20/10/2028 12:13

बुध	08/06/2028 21:34
केतु	17/06/2028 23:30
शुक्र	13/07/2028 22:09
सूर्य	21/07/2028 16:57
चंद्र	03/08/2028 16:16
मंगल	12/08/2028 18:12
राहु	05/09/2028 02:35
गुरु	25/09/2028 20:42
शनि	20/10/2028 12:13

शनि - शनि - केतु
20/10/2028 12:13
23/12/2028 14:32

केतु	24/10/2028 05:57
शुक्र	03/11/2028 22:20
सूर्य	07/11/2028 03:15
चंद्र	12/11/2028 11:27
मंगल	16/11/2028 05:11
राहु	25/11/2028 19:56
गुरु	04/12/2028 09:02
शनि	14/12/2028 12:36
बुध	23/12/2028 14:32

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी।साथ ही आपके सभी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके समस्त कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा लोग आपकी बुद्धि से प्रभावित रहेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों में भी इस समय आप पूर्ण रूप से प्रवृत रहेंगी तथा विधिपूर्वक इनको सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से इस समय आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता तथा उन्नति प्राप्त करेंगे ।साथ ही इस समय पुत्र संतति की प्राप्ति की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। साथ ही आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी अतः रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी या नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे जिससे आपको महत्वपूर्ण लाभ की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग तथा लाभ भी प्राप्त होता रहेगा एवं आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी।इसके अतिरिक्त पति, पुत्र, मित्र तथा संबधियों आदि से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगी तथा सुख की अनुभूति करेंगी।